चीन के साथ जंग की तैयारी में जुटे अमेरिका-जापान

अमेरिका और जापान के सैन्य अधिकारियों ने ट्रंप प्रशासन के दौरान योजना बनानी शुरू कर दी थी

योजना

चीन के आक्रामक व्यवहार को लेकर इलाके में चिंता बढ़ी हुई है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

क्योटो। ताइवान को लेकर चीन के साथ जंग के मंडराते खतरे को देखते हुए अमेरिका और जापान एक गुप्त युद्धाभ्यास और सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। यह अभ्यास ऐसे समय पर हो रहा है कि जब चीन के आक्रामक व्यवहार को लेकर पूरे इलाके में चिंता बढ़ी हुई है। अमेरिका और जापान के सैन्य अधिकारियों ने ट्रंप प्रशासन के अंतिम साल में चीन के साथ संभावित संघर्ष को लेकर गंभीरतापूर्वक योजना बनानी शुरू कर दी थी।

ब्रिटिश अखबार फाइनेंशियल टाइम्स ने इस सैन्य अभ्यास से जुड़े सूत्रों के हवाले से कहा कि यह सीक्रेट अभ्यास दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर में चल रहा है। वर्ष 2019 में जापान के तत्कालीन

प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने चीन की ओर से ताइवान और सेनकाकू द्वीप समूह को लेकर बढ़ते खतरे को देखते हुए सैन्य प्लानिंग को व्यापक रूप देने का फैसला किया था।

चीनी नौसेना सेनकाकू द्वीप समूह के पास काफी सक्रियः चीन के खिलाफ सैन्य तैयारी का यह सिलसिला दोनों देशों में नेतृत्व में बदलाव के बाद भी जारी है। अमेरिका और जापान की टेंशन उस समय बढ़ गई जब चीन ने बड़े पैमाने पर अपने फाइटर जेट और बॉम्बर को ताइवान के एयर डिफेंस आइडेंटीफिकेशन जोन में भेज दिया। गत 15 जून को चीन के 28 फाइटर जेट ताइवान के क्षेत्र में घुस गए थे। यही नहीं चीनी नौसेना, एयरफोर्स और कोस्ट गार्ड भी इन दिनों जापान के सेनकाकू द्वीप समूह के पास काफी सक्रिय हो गए हैं।

इस द्वीप पर चीन और ताइवान दावा करते हैं लेकिन इसका प्रशासन जापान के पास है। चीन लगातार जोर देकर कहता रहा है कि वह ताइवान का चीन के साथ एकीकरण चाहता है। चीन ने कहा है कि वह शांतिपूर्ण एकीकरण चाहता है लेकिन उसने ताइवान पर कब्जा करने के लिए ताकत के इस्तेमाल को खारिज नहीं किया है। एक अमेरिकी विशेषज्ञ रैंडी स्चरिवेर कहते हैं कि कई तरीके से चीनी सेना ने अमेरिका और जापान को ताइवान पर नई सोच के लिए साथ ला दिया है।

ताइवान को लेकर युद्ध योजना बन रही: दरअसल, अमेरिका जापान के साथ मिलकर ज्यादा से ज्यादा संयुक्त सैन्य अभ्यास करना चाहता रहा है लेकिन तोक्यो अब तक इससे परहेज करता रहा है। अब चीन की वजह से यह दुविधा कम हो गई है लेकिन अभी खत्म नहीं हुई है। दोनों देशों में जब रक्षा सहयोग बढ़ने लगा तब जापान ने अमेरिका से कहा कि वह ताइवान को लेकर अपने युद्ध की योजना को साझा करे। हालांकि अमेरिका ऐसा करने से परहेज किया। अब दोनों के बीच एकजुट होकर ताइवान को लेकर युद्ध योजना बन रही है।

न्यूज डायरी

उड़ने वाली कार ने एक शहर से दूसरे शहर तक भरी उड़ान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्रातिस्लावा। लंबे समय से कार से हवा में उड़ने की तमन्ना रखने वालों के लिए अच्छी खबर है। एक ऐसी कार जो सड़क पर चलने के साथ- साथ हवा में भी उड़ने की क्षमता रखती हो, उसके बारे में सोचना काफी रोमांचक लगता है लेकिन उसे बनाना उतना ही चुनौतीपूर्ण होता है। हालांकि अब यह सपना पूरा होने जा रहा है। इसी तरह की एक कार ने अब ऐतिहासिक उड़ान भरते हुए एक शहर से दूसरे शहर तक का सफर पूरा किया है। इस कार को एयरकार नामक कंपनी ने बनाया है और इस कार ने गत 28 जून को स्लोवाकिया के दो अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डों नित्रा और ब्रातिस्लावा के बीच उड़ान भरी। दोनों एयरपोर्ट के बीच दूरी को पूरा करने में इस फ्लाइंग कार को मात्र 35 मिनट लगे। यही नहीं यह कार मात्र तीन मिनट के अंदर उड़ने वाले कार में बदल जाती है। इस कार में 160 हार्स पावर का बीएमडब्ल्यू का इंजन लगाया गया है।

पाक मंत्री ने कबूला पाक देता है तालिबान आतंकवादियों को सुरक्षित पनाहगाह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री शेख राशिद अहमद ने यह कबूल किया है कि पाकिस्तान तालिबान आतंकवादियों को सुरक्षित ठिकाना देता है। राशिद अहमद के इस बयान पर अफगान अधिकारियों ने उनकी तारिफ की है। पाकिस्तान के जियो न्यूज के साथ एक इंटरव्यू में अहमद ने स्वीकार किया था कि अधिकांश तालिबान नेताओं के परिवार पाकिस्तान में हैं। अहमद ने खुलासा किया कि अफगानिस्तान में मारे गए तालिबानियों को पाकिस्तान की धरती पर दफनाया गया है और उनके घायल लड़ाकों का इलाज वहीं किया जाता है। अफगानिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हमदुल्लाह मोहिब ने कहा, मैं तालिबान के पाकिस्तान समर्थन के बारे में उनके खुलासे के लिए शेख राशिद की प्रशंसा करता हूं। हमें अफगानिस्तान के खिलाफ हमले पर बोलने के लिए बहादुर पाकिस्तानियों की जरूरत है।

नया पाकिस्तान के नाम पर लोगों का जीवन नरक बना दियाः बिलावल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इमरान खान की सरकार ने नया पाकिस्तान के नाम पर लोगों का जीवन नरक बना दिया है। जियो न्यूज के अनुसार नेशनल असेंबली में वित्त वर्ष 2021-22 के लिए प्रधानमंत्री इमरान के बजट भाषण के बाद बिलावल ने कहा कि पीएम लोगों को बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी सरकार जो भी कदम उठाई है उससे गरीबों के बजाय अमीरों को फायदा हुआ है। बिलावल ने कहा कि जनता प्रधानमंत्री के भाषण को सुनना नहीं चाहती।

पाकिस्तान में बार-बार फ्लाइट्स कैंसल से परेशान हुए लोग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान में कोरोना के चलते विदेशी फ्लाइट्स कैंसल करने के चलते लोगों में काफी गुस्सा है। दरअसल, पाकिस्तान में रह रहे इच्छुक लोगों को फ्लाइट्स से आने-जाने के दौरान बार-बार फ्लाइट्स कैंसल का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं इन लोगों का दावा है कि उन्हें फ्लाइट्स कैंसल करने का सटीक कारण भी नहीं बताया जा रहा है। ऐसे में सोशल मीडिया पर परेशान लोगों ने अपना गुस्सा पोस्ट के माध्यम से निकाला। एक सोशल मीडिया यूजर ने ट्वीट किया, मेरे परिवार ने कतार एयरवेज सप्ताह में दो बार उड़ानें रद की हैं और अभी 26 जुलाई से पहले की कोई टिकट नहीं मिल पा रही है। वहीं एक अन्य ट्विटर यूजर ने कहा, हमारे साथ भी ऐसा ही हुआ था, तुर्की एयरलाइंस ने टिकट रद करते हुए तर्क दिया कि पाकिस्तान सरकार ने 1 जुलाई से 18 जुलाई तक फ्लाइट्स पर बैन किया हुआ है।

फिर से मास्क लगाने के नियम पर विचार कर रहा अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। कोरोना वायरस की सबसे ज्यादा मार झेल चुके अमेरिका में 90 फीसदी आबादी का टीकाकरण हो चुका है। वहां सरकार ने मास्क पहनने में भी छूट दे दी थी लेकिन अब जो बाइडन सरकार की नींद फिर से उड़ने लगी है। दरअसल, अमेरिका के कई राज्यों में कोरोना का डेल्टा वेरिएंट तेजी से फैल रहा है। हर हफ्ते डेल्टा वेरिएंट के मामले दोगुने हो रहे हैं। कुल केस में डेल्टा वेरिएंट की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत पहुंच गई है। ऐसे में सरकार फिर से मास्क लगाने और शारीरिक दूरी के नियम लागू करने पर विचार कर रही है।

अमेरिका में कोरोना के डेल्टा वेरिएंट से टीकाकरण का काम बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यहां इस वैरिएंट के भय से पिछले सप्ताह में वैक्सीन लगवाने वालों में 55.3 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। अमेरिका में 46.4 फीसद लोगों को पूरी तरह से कोरोना का टीका लगा दिया गया है। 54.2 फीसद आबादी को कम से कम एक टीका लग चुका है। कुछ राज्यों अलबामा, अरकंसास, लुसियाना, मिसिसिपी और टेनेसी में टीकाकरण की गति कम है।

व्हाइट हाउस ने कहा है कि जो बाइडन के चार जुलाई तक 70 फीसद आबादी को टीके की एक खुराक देने का लक्ष्य पूरा नहीं किया जा सकेगा।

21 साल में पहली बार जिब्राल्टर पहुंची अमेरिकी परमाणु पनडुब्बी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। भूमध्य सागर में ब्रिटेन और रूस के बीच जारी तनाव में अब अमेरिका भी कूद गया है। ब्रिटिश एयरक्राफ्ट कैरियर एचएमएस क्वीन एलिजाबेथ के बिलकुल पास मिसाइल युद्धाभ्यास कर रही रूसी सेना को ओहियो क्लास की यूएसएस अलास्का बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी ने चुनौती दी है। कुछ दिनों पहले ही रूस ने आरोप लगाया था कि ब्रिटेन और अमेरिका के लड़ाकू विमानों ने उसके युद्धपोतों के ऊपर से उड़ान भरी है। यह अमेरिकी पनडुब्बी 21 साल में पहली बार भूमध्य सागर स्थित ब्रिटिश ओवरसीज क्षेत्र में स्थित यूके रॉयल नेवी से बेस का दौरा किया है।

तुर्की-पाकिस्तान के नापाक गठजोड़ को भारत करेगा नाकाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

एथेंस। पाकिस्तान और उसके आका तुर्की के नापाक गठजोड़ को टक्कर देने के लिए भारत ने भी कमर कस ली है। भारत ने तुर्की के धुर विरोधी यूरोपीय देश ग्रीस के साथ भूमध्य सागर में जोरदार नौसैनिक अभ्यास किया है। इस अभ्यास में ग्रीस के फ्रीगेट थेमिस्टोकलिस और भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस तबर ने हिस्सा लिया। यह अभ्यास भूमध्य सागर में क्रेट इलाके के दक्षिण-पश्चिम में हुआ। ग्रीस की न्यूज वेबसाइट पेंटापोस्टग्मा के मुताबिक भारतीय युद्धपोत का मिस्र की नौसेना के साथ युद्धाभ्यास का प्लान है।

चीन और धुर-विरोधी पाकिस्तान के साथ तुर्की की अच्छी दोस्ती

इसके लिए आईएनएस तबर मिस्र के सिकंदरिया बंदरगाह पर पहुंच गया है। बताया जा रहा है कि ग्रीस के युद्धपोत के साथ भारतीय नौसैनिक जंगी जहाज ने 30 जून को यह अभ्यास किया। इस अभ्यास का मकसद ग्रीस की सेना का दुनिया के अन्य देशों की नौसेना के साथ प्रशिक्षण बढ़ाना है।

ग्रीस भी तुर्की के आक्रामक व्यवहार से परेशानः साथ ही द्विपक्षीय आधार पर ऑपरेशनल तैयारी, लड़ाकू क्षमता और सहयोग को बढ़ाना है। पेंटापोस्टग्मा ने कहा कि भारत परमाणु हथियारों से लैस है और भारतीय नौसेना के साथ अभ्यास करके ग्रीस को काफी लाभ हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि तुर्की और पाकिस्तान के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग और दोस्ती से निपटने के लिए भारत और ग्रीस साथ आए हैं। ग्रीस भी तुर्की के आक्रामक व्यवहार से परेशान है। इससे पहले भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर पिछले दिनों ग्रीस की यात्रा पर पहुंचे थे और च्ड कीरियाकोस मित्सोतकीस से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों ने आतंकवाद समेत कई मुद्दों पर चर्चा की जिसे तुर्की, चीन और पाकिस्तान के लिए संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। ग्रीस और तुर्की के बीच संबंधों में तनाव गहराया है।

कोरोना महामारी को लेकर डब्ल्यूएचओ की चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानि डब्ल्यूएचओ ने कोरोना महामारी को लेकर दुनिया के सभी देशों को एक बार फिर से चेतावनी जारी की है। डब्ल्यूएचओ ने ने कहा है कि आने वाले महीनों में कोरोना वायरस का डेल्टा वेरिएंट दुनियाभर में तेजी से फैलेगा।

डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि कोरोना का वैरिएंट अब लगभग 100 देशों में मौजूद है और साथ चेतावनी दी है कि आने वाले महीनों में अत्यधिक संक्रामक डेल्टा वैरिएंट वैश्विक स्तर पर कोरोना वायरस का प्रमुख वैरिएंट बन जाएगा। अपने कोविड-19 वीकली एपिडेमियोलॉजिकल अपडेट में डब्ल्यूएचओ ने कहा कि 96 देशों ने डेल्टा वेरिएंट के मामलों की सूचना दी है, हालांकि ये आंकड़ा कम है क्योंकि वेरिएंट की पहचान करने के लिए आवश्यक अनुक्रमण क्षमता सीमित है। पिछले हफ्ते, डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने कहा कि डेल्टा वेरिएंट अब तक पहचाने गए वैरिएंट का सबसे अधिक संक्रामक स्वरूप है और बिना टीकाकरण वाली आबादी के बीच ये तेजी से फैल रहा है।